भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 76
गुरुवार, 23 जुलाई, 2026/1 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानन से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास

***76. सुश्री कंगना रनौतः**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत को वैश्विक विमानन केन्द्र के रूप में स्थापित करने के लिए दोहरी विमानपत्तन कार्यनीति, अंतर्राष्ट्रीय पारगमन केन्द्रों का विकास और वैश्विक संपर्क सुविधा में वृद्धि सहित विजन 2047 के अंतर्गत क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) 'उड़ान' योजना के अंतर्गत विमानपत्तनों, हेलीपत्तनों और एयरोड्रोम के विस्तार तथा आकांक्षी और दूर-दराज के जिलों में संपर्क सुविधा पर इसके प्रभाव का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन के अंतर्गत विमानपत्तनों के निजीकरण की वर्तमान स्थिति क्या है और ग्रीनफील्ड विमानपत्तनों में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(घ) वर्ष 2030 तक यात्री और कार्गो हैंडलिंग क्षमता में वृद्धि करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और भारत को वैश्विक अनुरक्षण, मरम्मत और संपूर्ण जांच एवं मरम्मत (एमआरओ) केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए क्या पहल की गई हैं; और

(ङ) उड़ान 5.1 के अंतर्गत हेलीपत्तन विकास में कितनी प्रगति हुई है तथा हिमाचल प्रदेश में लाहौल-स्पीति और किन्नौर जैसे जनजातीय और दूर-दराज के क्षेत्रों में हेलीपत्तनों के विकास के लिए क्या विशिष्ट पहल की गई हैं और दुर्गम क्षेत्रों में पर्यटन, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, आपदा की स्थिति में कार्रवाई और संपर्क सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"विमानन से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास" के संबंध में सुश्री कंगना रनौत द्वारा पूछे गए दिनांक 23.07.2026 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 76 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): देश में विमानन केंद्रों के विकास के लिए, नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने अंतरराष्ट्रीय विमानन केंद्र रणनीति तैयार की है। इस रणनीति के भाग के रूप में, हब एंड स्पोक परिचालन दिनांक 25.06.2026 से आरंभ किए गए हैं, जिसके अंतर्गत वाराणसी को स्पोक के रूप में और दिल्ली हब के रूप में निर्धारित किया गया है। हब एंड स्पोक मॉडल का उद्देश्य समायोजित दृष्टिकोण में अंतरराष्ट्रीय संपर्क को सुलभ बनाना है।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और मुंबई महानगर क्षेत्र की बढ़ती हवाई यातायात आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्रमशः नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा जैसे दूसरे हवाईअड्डों को प्रचालनरत किया गया है।

(ख): क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान ने क्षेत्रीय हवाईअड्डों, हेलीपोर्टों और वॉटर एयरोड्रोमों को प्रचालनरत करके दूरस्थ, पर्वतीय, द्वीप और आकांक्षी जिलों में हवाई संपर्क को बढ़ाया है।

'उड़ान' योजना की शुरुआत के बाद से, देश के 34 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 95 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों (17 हेलीपोर्टों और 02 वॉटर एयरोड्रोमों सहित) को जोड़ने वाले कुल 679 आरसीएस मार्गों को विकसित/कार्यशील किया गया है। इस योजना के तहत देशभर में विकसित/प्रचालनरत हेलीपोर्टों सहित 95 हवाईअड्डों का वर्ष-वार विवरण अनुलग्नक-क में संलग्न है।

(ग): राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन के तहत, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के 11 हवाईअड्डों को पट्टे पर देने के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन का प्रस्ताव दिया गया है।

ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों सहित हवाईअड्डा अवसंरचना में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए नागर विमानन मंत्रालय ने ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड हवाईअड्डा परियोजनाओं में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी है। कन्नूर, दुर्गापुर, मोपा, नवी मुंबई, भोगापुरम और नोएडा (जेवर) में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास के लिए भी 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान किया गया है।

(घ): यात्रियों और कार्गो की बढ़ती मात्रा को हैंडल करने के लिए हवाईअड्डों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है और इस कार्य को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक सरोकारों, यातायात की मांग और ऐसे हवाईअड्डों के लिए/हवाईअड्डों से परिचालन करने हेतु एयरलाइनों की स्वेच्छा के आधार पर किया जाता है।

सरकार ने देश में विमान अनुरक्षण, मरम्मत और ओवरहॉल (एमआरओ) क्षेत्र के विकास के लिए एक सक्षमकारी वातावरण बनाने और विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को कम करने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं, जो निम्नानुसार हैं:

(i) दिनांक 1 सितंबर, 2021 को नए एमआरओ दिशानिर्देश घोषित किए गए, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) हवाईअड्डों में रॉयल्टी को समाप्त करना और एमआरओ के लिए भूमि आवंटन में पारदर्शिता एवं निश्चितता का निर्माण करना शामिल हैं।

(ii) संशोधित एमआरओ दिशानिर्देश प्रारंभिक 15 वर्ष की पट्टा अवधि पूरी होने पर एमआरओ प्रचालकों के भूमि पट्टा समझौतों को 15 वर्ष की अतिरिक्त अवधि तक बढ़ाने का प्रावधान करते हैं।

(iii) कराधान के संबंध में, सरकार ने घरेलू एयरोस्पेस उद्योग की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए विमान के कलपुर्जों और विमान के इंजन के पुर्जों के आयात पर कर (आईजीएसटी) को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। पूर्ण इनपुट टैक्स क्रेडिट के साथ एमआरओ पर जीएसटी 18% से घटाकर 5% कर दिया गया है। इसके अलावा, विदेशी मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएमएस)/एमआरओ द्वारा घरेलू एमआरओ को उप-अनुबंधित लेनदेन को शून्य-रेटेड जीएसटी के साथ "निर्यात" माना जाता है।

(iv) केंद्रीय बजट 2024-25 में, मरम्मत के लिए आयातित माल के निर्यात की अवधि छह महीने से बढ़ाकर एक वर्ष कर दी गई है जबकि वारंटी के तहत मरम्मत के लिए माल के पुनः आयात की समय-सीमा तीन वर्ष से बढ़ाकर पाँच वर्ष कर दी गई है।

(v) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) हवाईअड्डों पर नए हैंगरों का निर्माण करने वाले एमआरओ प्रचालकों के लिए पूंजी-गहन हैंगर अवसंरचना के निवेश को प्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित करने के लिए एमआरओ दिशानिर्देश 2026 के परिशिष्ट में अधिस्थगन अवधि और किराया-मुक्त अवधि प्रदान की गई है।

(vi) केंद्रीय बजट 2026-27 के भाग के रूप में, विमान के इंजन सहित घटकों या कलपुर्जों के लिए विमान के विनिर्माण और उक्त विमान के विनिर्माण हेतु कलपुर्जों के निर्माण के लिए शून्य मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) प्रदान किया गया है। इसके अलावा, विमान या विमान के घटकों या कलपुर्ज़ों के एमआरओ के लिए कलपुर्ज़ों, परीक्षण उपकरणों, टूल और टूल-किटों के लिए बीसीडी छूट को दिनांक 31 मार्च, 2028 तक बढ़ा दिया गया है।

सफ्रान ने 1,300 करोड़ रुपये के प्रारंभिक निवेश के साथ हैदराबाद में सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) की स्थापना की है, जो विश्व के सबसे बड़े वैश्विक विमान इंजन एमआरओ सुविधा केंद्रों में से एक है।

(ङ): 'उड़ान' योजना 5.1 के तहत पांच हेलीपोर्ट नामतः चंपावत (उत्तराखंड), मुनस्यारी (उत्तराखंड), बागेश्वर (उत्तराखंड), रिकांग पिओ (हिमाचल प्रदेश) और शिमला (संजोली) (हिमाचल प्रदेश) प्रचालनरत किए गए हैं।

अनुलग्नक-क

प्रचालनरत किए गए कैलेंडर वर्ष-वार 95 आरसीएस हवाईअड्डों की सूची

क्रम.सं.	हवाईअड्डे	प्रचालन की तारीख
कैलेंडर वर्ष 2017 (5 अल्पसेवित और 11 असेवित हवाईअड्डों सहित कुल 16 हवाईअड्डे)		
1.	कडप्पा (चरण-1) (अल्पसेवित)	27-अप्रेल-2017
2.	शिमला (चरण-1) (असेवित)	27-अप्रेल-2017
3.	नांदेड़ (चरण-1) (असेवित)	27-अप्रेल-2017
4.	भटिंडा (चरण-1) (असेवित)	27-अप्रेल-2017
5.	ग्वालियर (अल्पसेवित) (चरण-1)	31-मई-2017
6.	कांडला (चरण-1) (असेवित)	01-जुलाई-2017
7.	पोरबंदर (चरण-1) (अल्पसेवित)	10-जुलाई-2017
8.	पांडिचेरी (चरण-1) (अल्पसेवित)	16-अगस्त-2017
9.	मैसूर (चरण-1) (असेवित)	02-सिंतबर-2017
10.	लुधियाना (चरण-1) (असेवित)	02-सिंतबर-2017
11.	विद्यानगर (चरण-1) (असेवित)	21-सिंतबर-2017
12.	बीकानेर (चरण-1) (असेवित)	26-सिंतबर-2017
13.	जैसलमेर (चरण-1) (अनसर्विड)	29-अक्टूबर-2017
14.	आगरा (चरण-1) (अल्पसेवित)	08-दिसंबर-2017
15.	जलगांव (चरण-1) (असेवित)	23-दिसंबर-2017
16.	ओझर (नासिक) (चरण-1) (असेवित)	23-दिसंबर-2017
कैलेंडर वर्ष 2018 (8 अल्पसेवित और 10 असेवित हवाईअड्डों सहित कुल 18 हवाईअड्डे)		
1.	जामनगर (चरण-1) (अल्पसेवित)	17-फरवरी-2018
2.	मुंद्रा (चरण-1) (असेवित)	17-फरवरी-2018

क्रम.सं.	हवाईअड्डे	प्रचालन की तारीख
3.	दीउ (चरण-1) (अल्पसेवित)	24-फरवरी-2018
4.	सलेम (चरण-1) (असेवित)	25-मार्च -2018
5.	पठानकोट (चरण-1) (असेवित)	05-अप्रेल-2018
6.	कोल्हापुर (चरण-1) (असेवित)	08-अप्रेल-2018
7.	तेजपुर (चरण-2) (अल्पसेवित)	26-अप्रेल-2018
8.	शिलांग (चरण-1) (अल्पसेवित)	26-अप्रेल-2018
9.	भावनगर (चरण-1) (अल्पसेवित)	01-मई-2018
10.	आदमपुर (चरण-1) (असेवित)	01-मई-2018
11.	हुबली (चरण-2) (अल्पसेवित)	14-मई-2018
12.	जगदलपुर (चरण-1) (असेवित)	14-जून-2018
13.	प्रयागराज (चरण-2) (अल्पसेवित)	14-जून-2018
14.	कानपुर (चकेरी) (चरण-1) (असेवित)	03-जुलाई-2018
15.	जोरहाट (चरण-2) (अल्पसेवित)	01-अगस्त-2018
16.	झारसुगुड़ा (चरण-1) (असेवित)	22-सिंतबर-2018
17.	पाक्योंग (चरण-2) (असेवित)	04-अक्टूबर-2018
18.	किशनगढ़ (चरण-2) (असेवित)	08-अक्टूबर-2018
कैलेंडर वर्ष 2019 **(6 अल्पसेवित और 4 असेवित हवाईअड्डों सहित कुल 10 हवाईअड्डे)**		
1.	पंतनगर (चरण-1) (अल्पसेवित)	04-जनवरी-2019
2.	लीलाबाड़ी (चरण-2) (अल्पसेवित)	15-जनवरी-2019
3.	पिथौरागढ़ (चरण-2) (असेवित)	17-जनवरी2019
4.	कन्नूर (चरण-2) (असेवित)	25-जनवरी-2019
5.	बेलगाम (चरण-3) (अल्पसेवित)	01-मई-2019
6.	कुल्लू (चरण-1) (अल्पसेवित)	13-मई-2019
7.	दुर्गापुर (चरण-1) (अल्पसेवित)	25-जून-2019

क्रम.सं.	हवाईअड्डे	प्रचालन की तारीख
8.	हिंडन (चरण- 2) (असेवित)	11-अक्टूबर-2019
9.	कलबुरगि (गुलबर्गा) (चरण-3) (असेवित)	22-नवंबर-2019
10.	दीमापुर (चरण-3) (अल्पसेवित)	07-दिसंबर-2019
कैलेंडर वर्ष 2020 **(कुल 9 असेवित हवाईअड्डे)**		
1.	बीदर (चरण-1) (असेवित)	07-फरवरी-2020
2.	सहस्त्रधारा - हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	08-फरवरी-2020
3.	चिनियालिसॉर - हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	08-फरवरी-2020
4.	गौचर - हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	08-फरवरी-2020
5.	नया टिहरी - हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	29-जुलाई-2020
6.	श्रीनगर - हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	29-जुलाई-2020
7.	स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (डब्ल्यू) (चरण-3) (असेवित)	31-अक्टूबर-2020
8.	साबरमती रिवर फ्रंट (डब्ल्यू) (चरण-3) (असेवित)	31-अक्टूबर-2020
9.	दरभंगा (चरण-1) (असेवित)	08-नवंबर-2020
कैलेंडर वर्ष 2021 **(कुल 12 असेवित हवाईअड्डे)**		
1.	हिसार (चरण-2) (असेवित)	14-जनवरी-2021
2.	बिलासपुर (चरण-1) (असेवित)	01-मार्च-2021
3.	बरेली (चरण-2) (असेवित)	08-मार्च-2021
4.	कुरनूल (चरण-3) (असेवित)	28-मार्च-2021
5.	रूपसी (चरण-4) (असेवित)	08-मई-2021
6.	पसीघाट (चरण-4) (असेवित)	24-मई-2021

क्रम.सं.	हवाईअड्डे	प्रचालन की तारीख
7.	तेज़ू (चरण-4) (असेवित)	15-अगस्त-2021
8.	हल्द्वानी - हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	08-अक्टूबर-2021
9.	सिंधुदुर्ग (चरण-3.1) (असेवित)	09-अक्टूबर-2021
10.	कुशीनगर (चरण-4.1) (असेवित)	26-नवंबर-2021
11.	मंडी - हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	09-दिसंबर-2021
12.	रामपुर - हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	14-दिसंबर-2021
कैलेंडर वर्ष 2022 **(कुल 5 असेवित हवाईअड्डे)**		
1.	गोंदिया (चरण- 4) (असेवित)	13-मार्च-2022
2.	केशोद (चरण-2) (असेवित)	16-अप्रेल-2022
3.	देवघर (चरण-4.1) (असेवित)	12-जुलाई-2022
4.	जयपुर (चरण-1) (असेवित)	03-अगस्त-2022
5.	अल्मोड़ा - हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	26-अगस्त-2022
कैलेंडर वर्ष 2023 **(कुल 6 असेवित हवाईअड्डे)**		
1.	राउरकेला (चरण-1) (असेवित)	07-जनवरी-2023
2.	होलोंगी (चरण-4.3) (असेवित)	15-जनवरी-2023
3.	जमशेदपुर (चरण-1) (असेवित)	31-जनवरी-2023
4.	कूच बिहार (चरण-1) (असेवित)	21-फरवरी-2023
5.	उटकेला (चरण-1) (असेवित)	31-अगस्त-2023
6.	शिवमोग्गा (चरण-4.1) (असेवित)	21-नवंबर-2023
कैलेंडर वर्ष 2024 **(1 अल्पसेवित और 11 असेवित हवाईअड्डों सहित कुल 12 हवाईअड्डे)**		
1.	चम्पावत - हेलीपोर्ट (चरण-5.1) (असेवित)	22-फरवरी-2024

क्रम.सं.	हवाईअड्डे	प्रचालन की तारीख
2.	मुनस्यारी - हेलीपोर्ट (चरण-5.1) (असेवित)	22-फरवरी-2024
3.	अलीगढ़ (चरण-2) (असेवित)	11-मार्च-2024
4.	आजमगढ़ (चरण-2) (असेवित)	11-मार्च-2024
5.	चित्रकूट (चरण-2) (असेवित)	12-मार्च-2024
6.	श्रावस्ती (चरण-2) (असेवित)	12-मार्च-2024
7.	जीरीबाम हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	13-मार्च-2024
8.	तामेंगलोंग हेलीपोर्ट (चरण-2) (असेवित)	13-मार्च-2024
9.	अगाती (चरण-5) (कम सेवा)	18-अप्रेल-2024
10.	मुरादाबाद (चरण-2) (असेवित)	10-अगस्त-2024
11.	रीवा (चरण-4.1) (असेवित)	25-नवंबर-2024
12.	अंबिकापुर (चरण-4.2) (असेवित)	19-दिसंबर-2024
	कैलेंडर वर्ष 2025 **(5 असेवित हवाईअड्डों सहित कुल 05 हवाईअड्डें)**	
1.	नैनीताल हेलीपोर्ट (चरण- 2) (असेवित)	12- मार्च-2025
2.	बागेश्वर हेलीपोर्ट (चरण-5.1) (असेवित)	12- मार्च-2025
3.	अमरावती (चरण-3) (असेवित)	16-अप्रेल-2025
4.	दतिया (चरण-4.2) (असेवित)	31-मई-2025
5.	पूर्णिया (चरण-5.0) (असेवित)	15-सिंतबर-2025
	कैलेंडर वर्ष 2026 **(5 असेवित हवाईअड्डों सहित कुल 05 हवाईअड्डें)**	
1.	रिकांग पिओ हेलीपोर्ट (चरण-5.1) (असेवित)	21-जनवरी-2026
2.	शिमला (संजोली) हेलीपोर्ट (चरण-5.1) (असेवित)	21-जनवरी-2026

******